



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 198] नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 10, 1989/चैत्र 20, 1911  
No. 198] NEW DELHI, MONDAY, APRIL, 10, 1989/CHAITRA 20 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1989

सा. का. नि. 440 (अ).— भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधि-  
सूचना संख्या सा. का. नि. 143 (अ) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा  
594 की उपधारा (1) के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय  
(कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 3216

(जिसे इसमें इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) से आशिक उद्घाटन करने हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्द्वारा यह निर्देश देता है कि मैजर फुजित्सु लिमिटेड, नई दिल्ली (जो इसी नाम पर कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपादायित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् —

यदि कम्पनी 31-3-1988 एवं 31-3-1989 को समाप्त वित्तीय वर्षों की बाबत भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा —

- |                                                                |                       |
|----------------------------------------------------------------|-----------------------|
| (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतान | जिसका प्रमाणीकरण      |
| (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के र                     | भारत में आदेशिका      |
| की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति,           | के कार्यरत शासप्राप्त |
| लेखापाल द्वारा किया गया है।                                    |                       |
| (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट दग | के कम्पनी की परि-     |
| सम्पत्तियाँ तथा देयताओं का विवरण, तथा                          |                       |
| (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विज्ञापन  | गण का प्रमाण पत्र     |
| कि कम्पनी ने 31-3-1988 एवं 31-3-1989 का नमूना                  | रत में कोई व्यापार    |
| नहीं किया।                                                     |                       |

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,

[संख्या 14, 39/88-सी. एल. VI/सी एल III

के. एम. गुप्ता, अवसर सचिव (कम्पनी विधि बोर्ड),

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 1989

G.S.R. 440 (E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G. S. R. 443 (E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S. R. O. 3126 dated the 4th October, 1957 (hereafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. FUJITSU LTD., NEW DELHI (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified

their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provision of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1988 & 31-3-1989 the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-1988 and 31-3-1989.

By Order of the Company Law Board,

[No. 14/39/88/CL VI/CL III]

K. M. GUPTA, Under Secy. (Company Law Board)

